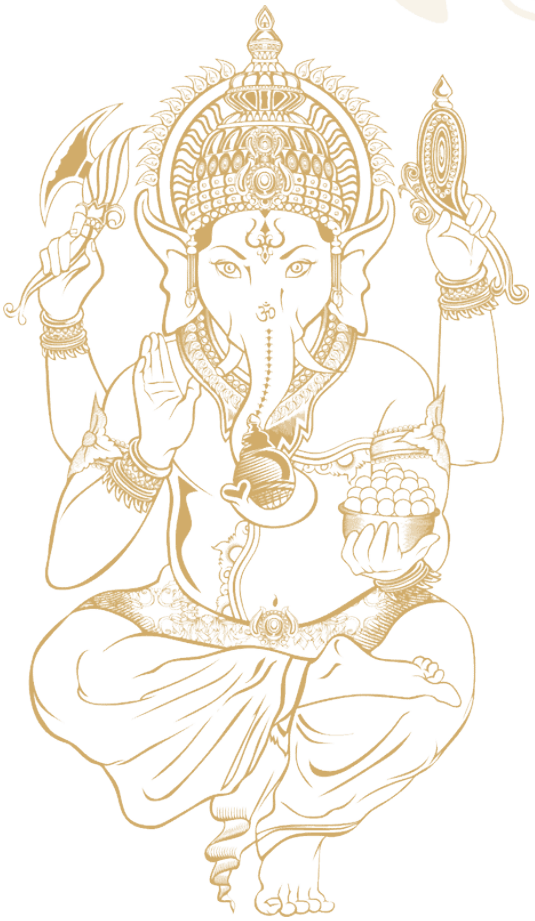

Mr.

07 Dec 2025

07:14 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120459818

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/12/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:14:00 घंटे**
इष्ट	30:31:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:52:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:31 घंटे
साम्पातिक काल	23:59:12 घंटे
सूर्योदय	07:01:14 घंटे
सूर्यास्त	17:24:10 घंटे
दिनमान	10:22:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:29:03 वृश्चिक
लग्न के अंश	17:51:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:51:58	316:16:45	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	21:29:03	01:00:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	27:56:37	14:31:40	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	29:58:01	00:44:50	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	00:53:11	00:58:59	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	29:50:06	00:04:57	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	14:14:33	01:15:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			मीन	01:01:01	00:01:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:02:34	00:08:18	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:02:34	00:08:18	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:33:57	00:02:22	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:16	00:00:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:49:52	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	05:33:46	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:14

लग्न-चलित

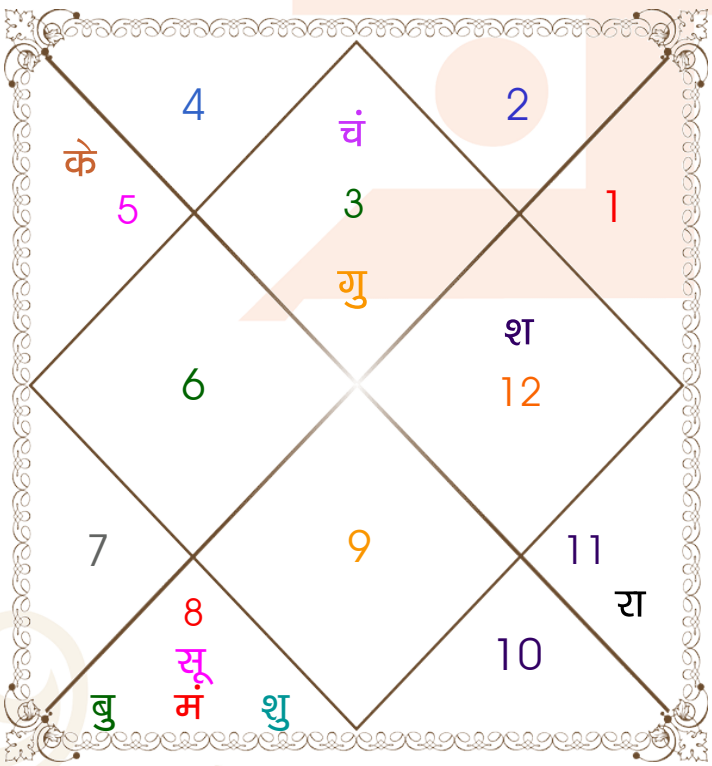

चन्द्र कुंडली

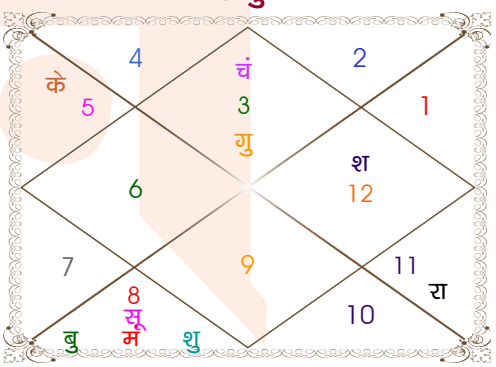

नवमांश कुंडली

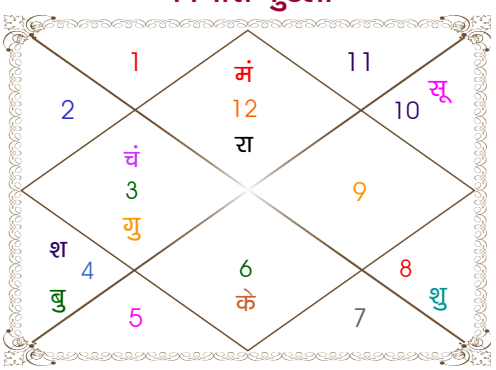

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 5 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/12/2025		27/05/2032		27/05/2051		27/05/2068		27/05/2075	
27/05/2032		27/05/2051		27/05/2068		27/05/2075		27/05/2095	
	00/00/0000	शनि	30/05/2035	बुध	23/10/2053	केतु	23/10/2068	शुक्र	26/09/2078
	00/00/0000	बुध	07/02/2038	केतु	20/10/2054	शुक्र	23/12/2069	सूर्य	26/09/2079
	00/00/0000	केतु	18/03/2039	शुक्र	20/08/2057	सूर्य	30/04/2070	चंद्र	27/05/2081
	07/12/2025	शुक्र	18/05/2042	सूर्य	27/06/2058	चंद्र	29/11/2070	मंगल	27/07/2082
शुक्र	08/12/2026	सूर्य	30/04/2043	चंद्र	26/11/2059	मंगल	27/04/2071	राहु	27/07/2085
सूर्य	26/09/2027	चंद्र	28/11/2044	मंगल	22/11/2060	राहु	14/05/2072	गुरु	27/03/2088
चंद्र	25/01/2029	मंगल	07/01/2046	राहु	12/06/2063	गुरु	20/04/2073	शनि	27/05/2091
मंगल	01/01/2030	राहु	13/11/2048	गुरु	17/09/2065	शनि	30/05/2074	बुध	27/03/2094
राहु	27/05/2032	गुरु	27/05/2051	शनि	27/05/2068	बुध	27/05/2075	केतु	27/05/2095

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/05/2095		28/05/2101		28/05/2111		28/05/2118		28/05/2136	
28/05/2101		28/05/2111		28/05/2118		28/05/2136		00/00/0000	
सूर्य	14/09/2095	चंद्र	28/03/2102	मंगल	25/10/2111	राहु	07/02/2121	गुरु	16/07/2138
चंद्र	15/03/2096	मंगल	27/10/2102	राहु	11/11/2112	गुरु	04/07/2123	शनि	26/01/2141
मंगल	20/07/2096	राहु	27/04/2104	गुरु	18/10/2113	शनि	10/05/2126	बुध	04/05/2143
राहु	14/06/2097	गुरु	27/08/2105	शनि	27/11/2114	बुध	26/11/2128	केतु	09/04/2144
गुरु	02/04/2098	शनि	29/03/2107	बुध	24/11/2115	केतु	15/12/2129	शुक्र	08/12/2145
शनि	15/03/2099	बुध	27/08/2108	केतु	21/04/2116	शुक्र	15/12/2132		00/00/0000
बुध	20/01/2100	केतु	28/03/2109	शुक्र	21/06/2117	सूर्य	08/11/2133		00/00/0000
केतु	28/05/2100	शुक्र	27/11/2110	सूर्य	27/10/2117	चंद्र	10/05/2135		00/00/0000
शुक्र	28/05/2101	सूर्य	28/05/2111	चंद्र	28/05/2118	मंगल	28/05/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।